



Pratyush Khatri



Nikita Khatri

Model: Love-Horoscope

Order No: 121768701

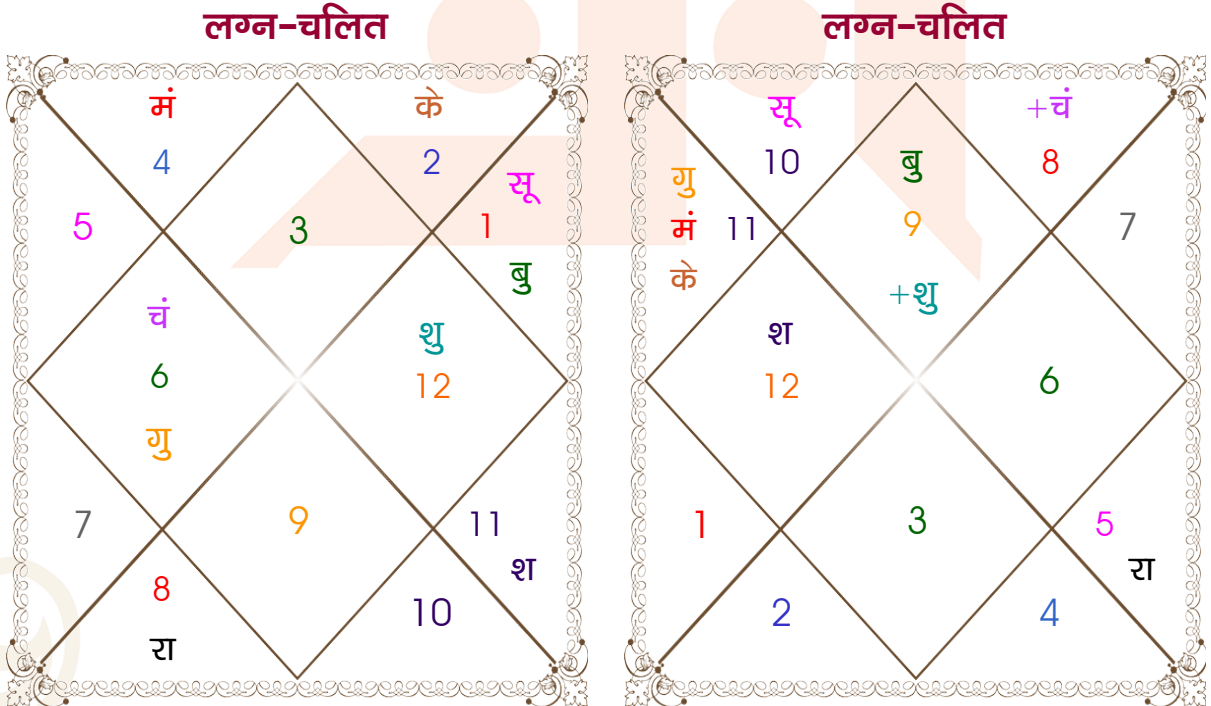
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
03/05/1993 :	जन्म तिथि	: 24-25/01/1998
सोमवार :	दिन	: शनि-रविवार
घंटे 09:35:00 :	जन्म समय	: 05:15:00 घंटे
घटी 08:57:02 :	जन्म समय(घटी)	: 54:33:55 घटी
India :	देश	: India
Sirohi :	स्थान	: Nathdwara
25:53:00 उत्तर :	अक्षांश	: 24:56:00 उत्तर
72:58:00 पूर्व :	रेखांश	: 73:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:34:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:00:11 :	सूर्योदय	: 07:20:25
19:09:45 :	सूर्यास्त	: 18:13:23
23:46:06 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:44
मिथुन :	लग्न	: धनु
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
कन्या :	राशि	: वृश्चिक
बुध :	राशि-स्वामी	: मंगल
उ०फाल्गुनी :	नक्षत्र	: ज्येष्ठा
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: बुध
4 :	चरण	: 4
हर्षण :	योग	: ध्रुव
बालव :	करण	: तैतिल
पी-पीयूष :	जन्म नामाक्षर	: यू-युक्ता
वृष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
वैश्य :	वर्ण	: विप्र
मानव :	वश्य	: कीटक
गौ :	योनि	: मृग
मनुष्य :	गण	: राक्षस
आद्य :	नाड़ी	: आद्य
मूषक :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 11मा 5दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 1वर्ष 3मा 21दि शुक्र
09/04/2011		12:57:57	मिथु	लग्न	धनु	08:30:10	17/05/2006
08/04/2029		18:58:25	मेष	सूर्य	मक	10:57:40	17/05/2026
राहु	20/12/2013	07:55:36	कन्या	चंद्र	वृश्चि	28:58:26	शुक्र
गुरु	15/05/2016	08:43:58	कर्क	मंगल	कुंभ	05:51:09	सूर्य
शनि	22/03/2019	04:49:21	मेष	बुध	धनु	23:02:47	चन्द्र
बुध	08/10/2021	12:13:24	कन्या व	गुरु	कुंभ	03:43:07	मंगल
केतु	27/10/2022	12:00:13	मीन	शुक्र व	धनु	27:29:46	राहु
शुक्र	26/10/2025	05:23:46	कुंभ	शनि	मीन	21:05:55	गुरु
सूर्य	20/09/2026	20:11:15	वृश्चि व	राहु व	सिंह	18:37:37	शनि
चन्द्र	21/03/2028	20:11:15	वृष व	केतु व	कुंभ	18:37:37	बुध
मंगल	08/04/2029	28:24:15	धनु व	हर्ष	मक	14:39:00	केतु
		27:21:22	धनु व	नेप	मक	06:00:54	
		00:41:51	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:39:09	

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

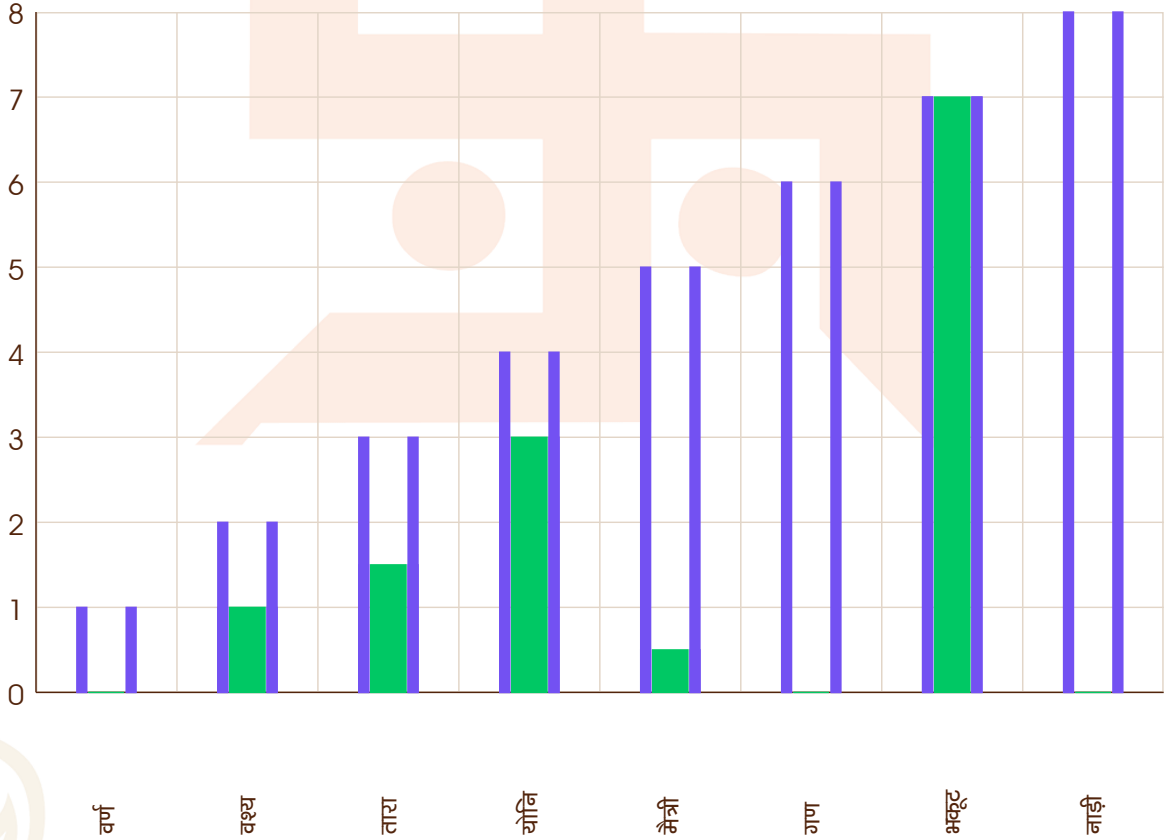
23:46:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:44



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : 13 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Pratyush Khatri का वर्ग मूषक है तथा Nikita Khatri का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pratyush Khatri और Nikita Khatri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Pratyush Khatri मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Nikita Khatri मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Pratyush Khatri तथा Nikita Khatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pratyush Khatri का वर्ण वैश्य है तथा Nikita Khatri का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Nikita Khatri का वर्ण Pratyush Khatri के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Nikita Khatri अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Nikita Khatri को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Pratyush Khatri का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Nikita Khatri का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Pratyush Khatri एवं Nikita Khatri दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

Pratyush Khatri की तारा क्षेम तथा Nikita Khatri की तारा वध है। Nikita Khatri की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Pratyush Khatri एवं Nikita Khatri दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Nikita Khatri अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Pratyush Khatri की योनि गौ है तथा Nikita Khatri की योनि मृग है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pratyush Khatri का राशि स्वामी Nikita Khatri के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Nikita Khatri का राशि स्वामी Pratyush Khatri के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Pratyush Khatri का गण मनुष्य तथा Nikita Khatri का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Nikita Khatri का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Pratyush Khatri एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Pratyush Khatri से Nikita Khatri की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Nikita Khatri से Pratyush Khatri की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Pratyush Khatri अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Nikita Khatri सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Pratyush Khatri की नाड़ी आद्य है तथा Nikita Khatri की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pratyush Khatri एवं Nikita Khatri दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के

शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।



मेलापक फलित

स्वभाव

Pratyush Khatri की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Nikita Khatri की राशि जल तत्व युक्त वृश्चिक राशि है। पृथ्वी एवं जल तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण Pratyush Khatri और Nikita Khatri के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Pratyush Khatri की राशि का स्वामी बुध तथा Nikita Khatri की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं होती। इसके प्रभाव से Pratyush Khatri और Nikita Khatri के परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में कटुता एवं मतभेद रहेंगे। अतः यदि ये एक दूसरे की आलोचना करने या कमियों को गिनना छोड़ दें तो जीवन में सुख के क्षणों की प्राप्ति हो सकती है।

Pratyush Khatri एवं Nikita Khatri की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव रहेगा तथा समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही Pratyush Khatri और Nikita Khatri की आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता रहेगी तथा जीवन में आवश्यक सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

Pratyush Khatri का वश्य मानव तथा Nikita Khatri का वश्य कीट है मानव एवं कीट के मध्य नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में असमानता होगी एवं शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी अंतर रहेगा। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Pratyush Khatri का वर्ण वैश्य एवं Nikita Khatri का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Pratyush Khatri की प्रवृत्ति धनार्जन में प्रवृत्त रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने समस्त कार्यों को सम्पन्न करेंगी लेकिन Nikita Khatri शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यों में रुचिशील रहेंगी फलतः कार्य क्षमताओं में असमानता का भाव यदा कदा दृष्टि गोचर होगा।

धन

Pratyush Khatri और Nikita Khatri की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Pratyush Khatri और Nikita Khatri की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Nikita Khatri एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Pratyush Khatri और Nikita Khatri दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीड़ित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से Pratyush Khatri और Nikita Khatri शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो Nikita Khatri के प्रभाव से Pratyush Khatri का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव Pratyush Khatri की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Pratyush Khatri और Nikita Khatri का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Pratyush Khatri और Nikita Khatri के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Nikita Khatri के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Nikita Khatri को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Nikita Khatri को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Pratyush Khatri और Nikita Khatri सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Pratyush Khatri और Nikita Khatri का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Nikita Khatri के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही

अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Nikita Khatri अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Nikita Khatri पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Nikita Khatri अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Pratyush Khatri के अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Pratyush Khatri के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Pratyush Khatri के प्रति सामान्य ही रहेगा।

Pratyush Khatri

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोशे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नहीं लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते हैं। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृत्ति के प्रति सतर्क नहीं रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते हैं।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रुचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध हैं तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी हैं। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नहीं करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नहीं रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्ज्वलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वांस रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नहीं होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।

Nikita Khatri

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काणा भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाली प्राणी है। निःसंदेह आप एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुई हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखती हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्ची महिला हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपको मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होती क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छी व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकती है। आप स्वास्थ्य की दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षों के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सतर्क रहे। यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सतर्कता नहीं बरती तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा।

आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्ययन कर सकती हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकती हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकती हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन करने की क्षमता प्राप्त करेंगी। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगी। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आएँ तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकती हैं। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगी। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाती हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करती हो। आप इस प्रकार के वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखें।

आपके लिये व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली हैं। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल हैं।

अंक ज्योतिष फल

Pratyush Khatri

आपका जन्म दिनांक तीन होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक तीन होता है। मूलांक तीनका स्वामी गुरु है। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगे तथा अपने अधिनस्थों से सख्ती से कार्य लेंगे। काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस कारण कभी कभी आपके मातहत ही आपसे शत्रुता करने लगेंगे।

आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे और दूसरों पर शासन करने की आपकी सहज इच्छा रहेगी। गुरु ग्रह के प्रभाववश आपकी विचारधारा धार्मिक रहेगी तथा विद्या, अध्ययन, अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य तथा धर्म-कर्म के क्षेत्र में आपको अच्छी उपलब्धियाँ एवं ख्याति प्राप्त होगी।

मानसिक रूप से आप काफी संतुलित एवं विकसित व्यक्ति होंगे तथा किसी भी विषय को समझने की आप में विशेष क्षमता रहेगी। तर्क एवं ज्ञान शक्ति आपकी अच्छी रहेगी। आप मन से किसी का भी अहित नहीं करेंगे और दूसरों की भलाई करने में भी अपना समय देते रहेंगे। दान-पुण्य के कार्य भी आप काफी करेंगे। सामाजिक स्थिति आपकी काफी अच्छी रहेगी। समाज में आप अग्रणी एवं मुखिया पद का निर्वहन करना अधिक पसन्द करेंगे। दूसरों को सच्ची सलाह देना आप अपना धर्म समझेंगे।

स्वभाव से आप शान्त, कोमल हृदय, मृदुवाणी एवं सत्यवक्ता होंगे। सत्य के मार्ग पर आप चलते हुये कष्टों को भी सहन करेंगे एवं अन्त में विजयश्री को प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य आपका साधारणतः अनुकूल ही रहेगा। लेकिन कभी-कभी मंदाग्नि, जठराग्नि, उदर विकार इत्यादि रोगों का सामना करेगा।

Nikita Khatri

आपका जन्म दिनांक 25 है। दो और पाँच के योग से 7 आपका मूलांक होता है। मूलांक 7 का स्वामी भारतीय ज्योतिष में केतु को तथा पाश्चात्य विद्वानों ने नेपच्यून को माना है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। आपके जीवन पर इन तीनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव अंक ज्योतिषानुसार आयेगा।

मूलांक सात के प्रभाव से कल्पना शक्ति आपके अन्दर उच्चकोटि की रहेगी। आपकी रुचियों में गीत संगीत गद्य-पद्य, नाच-गान, ललित कलाएं, साहित्य, लेखन इत्यादि रहेगा। धनसंग्रह की ओर आप विशेष ध्यान नहीं देंगी। इससे कई बार आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। घूमना-फिरना, दूरस्थ देशों की यात्रा करना आपको आनन्दित करेगा।

आपकी विचारधारा परिवर्तन शील, आधुनिक होगी एवं प्राचीन रीति-रिवाजों की आप विशेष परवाह नहीं करेंगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपमें अच्छा होने से आप सामने वाले व्यक्ति के मनोभावों को बड़ी आसानी से समझ जाया करेंगी। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने का

गुण आपमें अच्छा रहेगा। यात्राएं आपके लिए लाभप्रद रहेंगी एवं ऐसा क्षेत्र जिसमें यात्राएं अधिक रहती हों आपके लिये भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

देश-विदेश, भूमि- वाहन आपको विशेष लाभ देंगे। अंक दो चन्द्र का ऋणात्मक अंक होने से आपके अन्दर आशंका, असफलता के अवगुण आयेंगे। आपका जीवन चक्र ऊँचाईयों-निचाईयों से ओत-प्रोत रहेगा। अंक पांच के प्रभाव से आप एक बौद्धिक स्तर की महिला होंगी तथा शारीरिक श्रम की अपेक्षा बौद्धिक स्तर के कार्य करना अधिक पसन्द करेंगी। आपका भाग्योदय जन्म स्थान से अन्यत्र होगा।

Pratyush Khatri

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Nikita Khatri

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।